हरिभूमि
# रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 जुलाई 2024

**तापमान**

अधिकतम 38 .3 डिग्री
न्यूनतम 25 .7 डिग्री

11 268 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

12 लोगों ने सुनीं प्रधानमंत्री के मन की बात

## शहर में आज

- सिविल अस्पताल में डॉक्टर काले बिल्ले लगाकर काम करेंगे सुबह 9 बजे से
- डीएस और एसपी समाधान शिविर लगाएंगे सुबह 9 से 11 बजे तक
- पीपीपी में खामियों को ठीक करने के लिए अलग-अलग वार्ड में लगेंगे शिविर
- पानी की समस्या को लेकर पार्षद से मिलेंगे सेक्टर-1 के लोग दोपहर 1 बजे
- शुगर मिल में रक्तदान शिविर लगेगा सुबह 9 से 2 बजे तक

## खबर संक्षेप

### हरिओम मित्तल भाली ने कार्यक्रम में शिरकत की

**रोहतक।** विश्व संवाद केंद्र हरियाणा के सौजन्य से महर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में पंचकूला में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम में रोहतक जिला उपाध्यक्ष व मीडिया समन्वयक हरिओम मित्तल भाली ने भी शिरकत की। कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह का मार्गदर्शन मिला है, जिसके फलस्वरूप अनेक प्रकार की योजनाएं बनी हैं।

### निदांना गांव में चकबंदी जारीः उपायुक्त

**रोहतक।** उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा निंदाना गांव में चकबंदी का कार्य शांतिपूर्वक ढंग से किया जा रहा है। अब तक आठ हजार एकड़ में से लगभग तीन हजार एकड़ में कब्जा तब्दील की कार्रवाई पूरी हो चुकी है। प्रशासन द्वारा राजस्व विभाग के मुख्यालय को उक्त तीन हज़ार खसरा नम्बर की रजिस्ट्री खोलने बारे पत्र लिखा गया है, जो गत दो साल से ब्लॉक थी।

### तबादला प्रकिया शुरू करवाने की मांग

**रोहतक।** शिक्षकों के लिए तबादला प्रकिया शुरू करवाने की मांग को लेकर शिक्षकों ने मीटिंग की। रामबीर ककराना पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा राजकीय अध्यापक कल्याण संघ ने कहा कि तबादला प्रकिया शुरू की जानी चाहिए। दो साल से शिक्षकों का तबादला नहीं हो रहा है। यूनियन ने मांग की कि सभी जिलों में रिक्त पदों को भरा जाये।

### महम में घर के सामने से बाइक चोरी, केस दर्ज

**महम।** कस्बा महम के वार्ड 6 से एक बाइक चोरी हो गई। पीड़ित ने इसकी शिकायत महम थाने में दी है। पुलिस को दी शिकायत में कस्बा महम के वार्ड 6 निवासी सन्नी पुत्र सुरेश कुमार ने बताया कि उसने अपनी सप्लेंडर प्लस मोटर साइकिल अपने घर के सामने चोरी की थी। कोई अनजान व्यक्ति उसे वहां चोरी कर ले गया। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### सरकारी स्कूल से प्रिंटर इन्वर्टर व सामान चोरी

**महम।** मदीना के सरकारी स्कूल से प्रिंटर, इन्वर्टर व अन्य सामान चोरी हो गया। इस संबंध में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना की प्रिंसिपल सविता रानी ने बहु अकबरपुर थाने में शिकायत दी है। प्रिंसिपल ने बताया कि छुट्टियों के बाद एक जुलाई को स्कूल खुलने हैं। उसने स्कूल के चपरासी मोहित को विद्यालय की सफाई के निर्देश दिए थे।

# डॉक्टर्स डे पर विशेष: पीजीआई में इस साल कई नई सौगात

स्वास्थ्य क्षेत्र में हर रोज नए कदम उठा रहे पीजीआईएमएस के खाते में नई उपलब्धियां जुड़ने वाली हैं। पीजीआई मरीजों को इस साल कई नई सुविधाएं देने जा रहा है। फैटी लीवर से लड़ने के लिए पीजीआई के गेस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग को प्रदेश का नॉडल सेंटर बनाया गया है। इसके साथ ही नई बात यह भी रहेगी कि डेंगू की वैक्सीन का ट्रायल भी होगा। पीजीआई में आने वाले मरीजों के लिए किडनी ट्रांसप्लांट पहले ही शुरू हो चुका है और हार्ट ट्रासप्लांट शुरू करने की तैयारी है, उम्मीद है कि इसी साल हार्ट ट्रांसप्लांट भी शुरू कर दिया जाएगा। पीजीआई के डॉक्टर यही नहीं रुक रहे, डीघल के बाद गांव चिड़ी की सीएचसी में टेलिमेडिसन की शुरुआत की जाएगी। अब मेडीसन के साथ स्कीन की बीमारी का इलाज भी टेलिमेडिसन के माध्यम से करवा सकेंगे। आज डॉक्टर्स डे पर प्रस्तुत है नई जानकारियां देती **मनोज वर्मा** की रिपोर्ट।

## फैटी लीवर से लड़ेंगे नोडल सेंटर बनाया



डॉ. प्रवीण मल्होत्रा

पीजीआईएमएस का गेस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग 2010 में बना था। कले पीलिया के इलाज में पूरे देश में नित नए आयाम छूने वाले इस विभाग को अब फैटी लीवर से लड़ने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए नेशनल नॉन कॉमिनिकेबल डिसीज प्रोग्राम के तहत बकायदा पीजीआईएमएस के गेस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग को प्रदेश का नोडल सेंटर बनाया गया है। इस प्रोग्राम के इंचार्ज भी विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण मल्होत्रा ही होंगे। डॉ. प्रवीण मल्होत्रा पूरे प्रदेश के डॉक्टर्स को ट्रेनिंग देंगे और हर जगह फैटी लीवर के मरीजों को उनकेआसपास के सरकारी अस्पताल में ही इलाज मिल जाएगा। पीजीआईएमएस में गेस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग ऐसा पहला विभाग बन गया है, जिसे दो नेशनल प्रोग्राम का नोडल सेंटर बनाया गया है। इससे पहले काले पीलिया का मॉडल ट्रीटमेंट सेंटर भी है।

### काले पीलिया के 25 हजार मरीजों का इलाज

काले पीलिया के 25 हजार मरीजों का इलाज अभी तक यहां से हो चुका है। विभाग में बिना वेटिंग के निशुल्क 37 हजार एंडोस्कॉपी हो चुकी हैं। 38 हजार फाइब्रोस्कैन हो चुके हैं। हैपेटाटिस बी के 10 हजार मरीजों का इलाज भी विभाग के डॉक्टर कर चुके हैं।

## कोरोना की तरह डेंगू की वैक्सीन का ट्रायल होगा



डॉ. रमेश वर्मा

कोविड का दौर किसे याद नहीं। उस दौरान वैक्सीन के ट्रायल में पीजीआईएमएस ने बड़ी भूमिका निभाई थी। वैक्सीन की को-इन्वेस्टिगेटर डॉ. रमेश वर्मा रहे थे। बता दें कि कम्यूनिटी मेडिसन विभाग के प्रोफेसर डॉ. रमेश वर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए बेस्ट डॉक्टर का अवार्ड भी मिल चुका है। पीजीआई में को-वैक्सीन का ट्रायल बड़े स्तर पर किया गया और कामयाबी भी मिली।

लोगों ने वैक्सीनेशन करवाकर कोरोना से बचाव किया। अब पीजीआई डेंगू का परमानेंट इलाज के लिए भी वैक्सीन का ट्रायल करेगी। यह ऐसे ही होगा जैसे कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन का ट्रायल किया गया था।

### जानलेवा बीमारी से छुटकारा मिलेगा

डेंगू की वैक्सीन का ट्रायल होने के बाद सफलता मिली तो वैक्सीनेयशन होगा और मच्छर से फैलने वाली इस जानलेवा बीमारी से छुटकारा मिलेगा। ट्रायल कामयाब रहा तो लोगों का वैक्सीनेश्न करवाकर हर साल महामारी की तर फैलने वाले डेंगू से निजात मिलेगी।

## इसी साल हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू किया जाएगा



डॉ. एसएस लोहचब

किडनी ट्रांसप्लांट शुरू होना पीजीआई के लिए बड़ी उपलब्धि है। अब पीजीआई में हार्ट ट्रांसप्लांट की सुविधा देने की भी तैयारी है। इसके लिए सरकसर की ओर से घोषण पहले ही की जा चुकी है। अब पीजीआईएमएस ने तैयारी शुरू कर दी है। उम्मीद है कि इसी साल में हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू कर दिया जाएगा। यह सुविधा शुरू होने के बाद मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में महंगा इलाज करवाने से छुटकारा मिलेगा। पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एसएस लोहचब का कहना है कि हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू होगा तो मरीजों को डायरेक्ट फायदा होगा। संस्थान में कुलपति डॉ. अनिता सक्सेना के नेतृत्व में बच्चों की हार्ट सर्जरी भी हो रही है, यह अपने आप में बड़ी बात हे।

### हृदय रोग के रोज करीब 200 से 300 मरीज

हृदय रोग विभाग में हर रोज करीब 200 से 300 मरीज आते हैं और संस्थान नई सुविधाएं देने के लिए संकल्पबद्ध है। पीजीआई में कार्डिक सर्जरी, कार्डियोलॉजी और कार्डिएक एनेस्थिसया तीन विभाग हैं। इनमें सुपर स्पेशलिटी कोर्स चल रहे हैं। इससे रिसर्च बढ़ा है और इलाज में ज्यादा सुविधाएं भी दी गई हैं।

## अब चिड़ी सीएचसी में भी टेलिमेडिसिन लॉन्च होगा



डॉ. वरुण अरोड़ा

मरीजों को घर बैठे इलाज देने के मामले में भी पीजीआईएमएस रोज नए तरीके अपना रहा है। डॉक्टर वरुण अरोड़ा बताते हैं कि पीजीआईएमएस के डॉक्टर लंदन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और डबल्यूएचओ और सीसीडीसी, जॉर्ज इंस्टिट्यूट ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर हेल्थ रिसर्च प्रोजेक्ट कर रहा है। एक प्रोजेक्ट तो ये चला हुआ है कि गर्भवती महिलाओं को उनके घर बैठे ही इलाज मुहैया करवाया जा रहा है। इसके लिए पीजीआईएमएस की तरफ से ग्रामीण इलाकों में 800 मोबाइल टैब दिए गए हैं। इसमें गर्भवती की जानकारी फीड करते ही पता चल जाता है प्रेगिनेंसी हाई रिस्क है या नहीं। टैब में रेड सिग्नल आया तो हाई रिस्क, पीला आया तो जोखिम के लक्षम और हरा अया तो नॉर्मल प्रेगनेंसी है।

### त्वचा रोग की सुविधा मिलेगी

रोहतक और झज्जर के ग्रामीण इलाकों में टेलिमेडिसन भी पहले से चल रहा है, लेकिन अभी तक मेडिसन की सुविधाएं ही थी अब इसे डीघल के साथ गांव चिड़ी की सीएचसी में भी लॉन्च किया जाएगा। इसमें अब मरीजों को मेडिसन के अलावा स्कीन यानी चरम रोग की सुविधा मिलेगी।

# भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक के नए एमबीए बैच में 73% महिलाएं

- बैच में इंजीनियरिंग, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंध, कला, कानून, डिजाइन, वास्तुकला, फार्मेसी और पत्रकारिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों से स्नातक छात्र शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

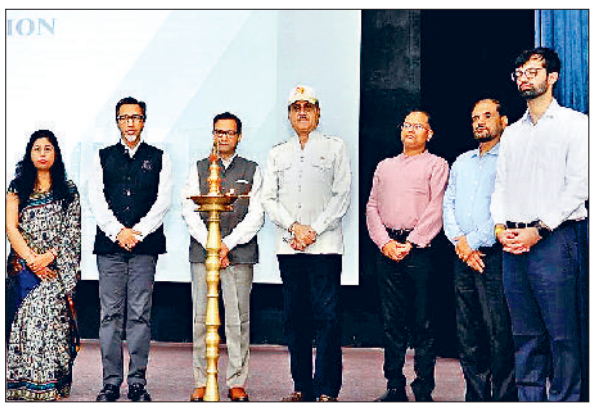

भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक ने अपने प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए) के 15वें बैच का स्वागत किया। इस नए बैच में भारत के विभिन्न हिस्सों से छात्र शामिल हैं और यह आईआईएम के महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस बैच में 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के छात्र हैं, जिनमें से 75 प्रतिशत महिलाएं हैं। बैच में इंजीनियरिंग, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंध, कला, कानून, डिजाइन, वास्तुकला, फार्मेसी और पत्रकारिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों से स्नातक छात्र शामिल हैं। कई छात्रों के पास एक्सेंचर, बैंक ऑफ अमेरिका, कैपजेमिनी, कॉग्निजेंट, डेलॉइट, अर्न्स्ट एंड यंग, एचसीएल, इंफोसिस, केपीएमजी, नैटवेस्ट, ओरेकल, पीडब्ल्यूसी, रिलायंस जियो, सैमसंग, टाटा स्टील, टीसीएस, और विप्रो जैसे बड़े कंपनियों में काम करने का अनुभव है।

इस बैच में कई उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्र भी हैं, जिन्होंने बैडमिंटन, थ्रोबॉल और बास्केटबॉल जैसे खेलों में राज्य स्तर पर हिस्सा लिया है। नए छात्रों का स्वागत करने के लिए आईआईएम रोहतक ने दो दिवसीय कार्यक्रम किया। इसका समापन रविवार को हुआ। कार्यक्रम में आईआईएम के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा उद्घाटन भाषण में आगामी छात्रों का स्वागत किया।

### नेटवर्क निर्माण के मूल्य के बारे में बताया

समापन समारोह में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की सचिव निधि खरे, और पूर्व राज्यपाल जनरल एके सिंह शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता प्रो. धीरज शर्मा ने की और उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने उच्च शिक्षा की महत्वपूर्णता और संबंधों और नेटवर्क निर्माण के मूल्य के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को अपने और अपने संस्थानों के लिए स्पष्ट अपेक्षाएं निर्धारित करने, अपने चुने गए विषय में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ध्यान केंद्रित करने, और विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले सहपाठियों के साथ विविधता को ग्रहण करने की सलाह दी।

## महमः चांदी में पोल्ट्री फार्म मालिक व उसके भतीजे के साथ मारपीट

**महम।** गांव चांदी में पोल्ट्री फार्म मालिक पिता पुत्र के साथ मारपीट किए जाने, पगड़ी उतारने और दाढ़ी नोचने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस को दी शिकायत में रोहतक के सुभाष नगर निवासी गुरमीत सिंह पुत्र रामकिशन ने बताया कि उसने चांदी गांव में पोल्ट्री फार्म कर रखा है। जिस पर वह और उसका बेटा काम धंधा संभालते हैं। रविवार को वह और उसका भतीजा हिमांशु फार्म पर आए थे। फार्म के साथ लगते खेत वाला मालिक कुलदीप व उसका पिता जो हमारे खेत में लगी पानी की पाइप लाइन से प्लेट निकालकर पानी की पाइप में कैप लगा रहे थे। जबकि वह प्लेट हमारे हिस्से में आई हुई है। कुलदीप व उसके पिता को टोका तो वह उसको गालियां देने लगे। उसके भतीजे को कुलदीप पकड़कर पीटने लगा। कई लात घूसे उसके भतीजे हिमांशु को मारे। जिनको वह छुड़ाने लगा तो कुलदीप का पिता कस्सी उठाकर मेरे पास आया और कस्सी फेंककर उसकी कमर में मारी। कुलदीप ने एक रोडा उठाकर उसकी छाती पर मारा।

- पिता पुत्र के खिलाफ केस दर्ज

### हरियाणा बनाओ अभियान ने उठाई मांग

# 45 लाख से अधिक लोग मुकदमेबाजी में फंसे हैं हरियाणा की नई राजधानी और हाईकोर्ट बनाया जाए

- रिकॉर्ड के अनुसार 6,19,2,192 से अधिक मामले उच्च न्यायालय में लंबित हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा बनाओ अभियान के बैनर तले तिलयार पर्यटक में एक बैठक हुई। इसमें सभी प्रतिभागियों ने हरियाणा की नई राजधानी और अलग हाई कोर्ट बनाने की मांग उठाने का प्रस्ताव पारित किया। मंच के वकील हरियाणा और पंजाब की अलग बार की भी मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही अधिवक्ताओं के लिए हरियाणा के वार्षिक बजट में बड़े प्रावधान करने और हरियाणा की अलग बार काउंसिल के माध्यम से अधिवक्ता कल्याण निधि अधिनियम के तहत अधिवक्ताओं को सेवानिवृत्ति लाभ लागू करने की भी मांग की। अधिवक्ता अधिनियम के तहत अलग बार काउंसिल के निर्माण के लिए हरियाणा में अलग उच्च न्यायालय का निर्माण जरूरी है। रिकॉर्ड के अनुसार हरियाणा के 14,25,047 से अधिक मामले हरियाणा के जिलों और अधीनस्थ न्यायालयों के समक्ष लंबित हैं। 6,19,2,192/ से अधिक मामले उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं और लाखों मामले अन्य आयोगों, न्यायाधिकरणों और अन्य प्राधिकरणों के समक्ष लंबित हैं। अनुमान है कि हरियाणा के 45 लाख से अधिक लोग मुकदमेबाजी में शामिल हैं। अधिकांश वादकारी मामले के निपटारे में देरी होती है। त्वरित निर्णय के मुद्दे हरियाणा के वादकारियों और अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं।

### इन्होंने रखे विचार

कार्यक्रम में महिंदर सिंह चोपड़ा उप निदेशक भारत सरकार, रणधीर सिंह बधरान पूर्व अध्यक्ष बार काउंसिल ऑफ इंडिया, सुरेंद्र कुमार बैरागी पूर्व अध्यक्ष ऑल हरियाणा अटॉर्नी एसोसिएशन। डॉ. महावीर सिंह, डॉ. नरेंद्र चाहर, डॉ. सुखबीर सिंह किन्ना, डॉ. धर्मबीर भारद्वाज, कपिल पुनिया, डॉ. रोहतास, डॉ. जोगेंद्र, कॉमरेड वीरेंद्र मलिक, एसपी सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रणधीर कटारिया, जगदीप अहलावत, विनोद पाहवा, एसएल कत्याल जोगेन्दर सिंह नांदल, सुलील खरब, सत्यवान नरेंद्र कटारिया, यादविंदर श्योराण, भारत भूषण, अत्तर सिंह हुड्डा, परमजीत सभी अधिवक्ताओं ने चर्चा में भाग लिया और अपने विचार रखे।

**रोष** सिविल अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी, पॉलिक्लीनिक के डॉक्टर शामिल रहेंगे

# डॉक्टर्स डे पर ब्लैक डे बनाएंगे रोहतक के 200 डॉक्टर, बॉन्ड कम करने सहित कई मांगों पर नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डॉक्टर्स डे पर एचसीएमएस से जुड़े करीब 200 डॉक्टर काला दिन बनाएंगे। इनमें सिविल अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी, पॉलिक्लीनिक ओर डिस्पेंसी के डॉक्टर शामिल रहेंगे। सभी डॉक्टर काले बिल्ले और काली पट्टी लगाकर काम करेंगे। एचसीएमएस एसोसिएशन का कहना है कि 6 महीने से सरकार की तरफ से जिन मुद्दों पर एसोसिएशन की सहमति बनी थी, उनमें से एक भी नोटिफिकेयशन नहीं आया है, सरकार किसी भी मांग को लेकर गंभीर नहीं है।

सरकार को जगाने के लिए डॉक्टर्स आंदोलन का सहारा लेंगे। पदाधिकारियों ने बताया कि एसोसिएशन की बॉन्ड कम करने की मांग सरकार द्वारा मंजूर भरने के बावजूद आगे नहीं बढ़.पाई है। नीट पीजी एक्जाम एक महीने बाद होने वाला है, मध्यम वर्ग से आने वाले सरकारी डॉक्टरों से एक-एक करोड़ की दो प्रॉपर्टी गिरवी रखवाई जाती हैं, जो देने में सरकारी डॉक्टर सक्षम नहीं हैं, बॉन्ड 1 करोड़ से 50 लाख किया जाए और कुछ भी गिरवी न रखवाकर पोस्ट डेटेड चेक लिया जाए। इसके साथ ही ओल्ड पेंशन स्कीम बहाली संघर्ष समिति और अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर एसोसिएशन लड़ाई लड़ती रहेंगी और एनपीएस और जीपीएस की खिलाफत करती रहेगी।

### डॉक्टरों की कमी है

डॉक्टरों की कमी की वजह से जनता और डॉक्टर दोनों को समस्या का सामना करना पड़ता है। जनसंख्या के हिसाब से डॉक्टर काफी कम हैं, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर असर पड़ता है, एसोसिएशन मांग करती है कि पॉलिसी बदलकर नई पोस्ट बनाएं और खाली पदों को जल्द से जल्द भरा जाए।

### उचित गाइडलाइन जारी की जाए

प्रधान विश्वजीत राठी ने बताया कि डॉक्टरों की लंबे समय से मांग रही है की एसीपी (एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन) की फाइल जो कई वर्षों से मुख्यमंत्री से अनुमति मिलने के बाद भी सरकार के पास लंबित है उसको जल्दी से जल्दी अमल में लाया जाए। केंद्र सरकार के अनुसार हरियाणा के सरकारी डॉक्टरों को भत्ते दिए जाएं। डॉक्टरों द्वारा किए जाने वाले कामों के लिए सरकार द्वारा उचित गाइडलाइन जारी की जाए।

### डॉक्टरों के सभी रूटीन कार्यों में देरी

डॉक्टर्स ने बताय कि प्रमोशन, एलटीसी, एसीपी केस, प्रोबेशन केस, पोस्टमार्टम अलाउंस, सीसीएल छुट्टी अप्रूवल और अन्य कई कार्यों के लिए डीलिंग कर्मचारियों द्वारा कई जगह पैसे लिए जाते हैं और लंबे समय से यह भ्रष्टाचार डिपार्टमेंट में चल रहा है, जिसकी वजह से कोई भी कार्य समय पर पैसे न देने वाले डॉक्टर या अन्य कर्मचारियों का नहीं हो पाता। एसोसिएशन मांग करती है कि डीलिंग की जवाबदारी और समयसीमा तय हो और किसी भी देरी के लिए डीलिंग कर्मचारियों को चार्जशीट किया जाए।

### डायरेक्ट एसएमओ भर्ती

विश्वजीत राठी ने बताया कि डायरेक्ट एसएमओ भर्ती कई वर्षों से बंद है, कई वर्ष बाद अचानक से अगर बड़ी संख्या में सरकार डायरेक्ट एसएमओ भर्ती करती है तो जो डॉक्टर 20 साल की नौकरी के बाद भी पहले प्रमोशन से एसएमओ तक नहीं बन पाए, उनके लिए यह अन्याय होगा। यह तरीका अगर अपनाया गया तो यह कोर्ट में भी चैलेंज होगा।

### एसपी ने लोगों को जागरूक करने के लिए एडवाइजरी जारी की

# साइबर क्राइम से बचने के लिए सोशल मीडिया और नेट बैंकिंग का मजबूत पासवर्ड बनाएं

- पासवर्ड को समय-2 पर बदलते रहें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

साइबर क्राइम से लोगों को बचाने के लिए पुलिस निरंत अभियान चला रही है। लोगों को ऐसे क्राइम से बचने के तरीके बताए जा रहे हैं, ठग किस तरह खाता खाली कर सकते हैं, उसके बारे में भी जागरूकता लाई जा रही है। रविवार को पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने बताया कि साइबर अपराधियों से बचने का सरल रास्ता है कि आप अपने जी-मेल, ऑनलॉइन नेट बैंकिग आदि प्रयोग करने वाली ऐप्स का मजबूत पासवर्ड बनाएं। ज्यादातर लोग आसान सा पासवर्ड बनाते हैं, उनके पासवर्ड नाम, जन्म तिथी, फोन नम्बर आदि होते हैं, साइबर अपराधियों को ऐसे पासवर्ड पता करना उतना ही आसान होता है। यहां एक बयान में एसपी ने कहा कि पासवर्ड को समय-2 पर बदलते रहें। एक मजबूत पासवर्ड में सामान्य शब्दों के बजाय, एक सुरक्षित पासवर्ड के आवश्यक घटकों में लंबाई और विशेष वर्णों, संख्याओं और अपरकेस और लोअरकेस अक्षरों का मिश्रण शामिल होता है। आमजन ऐसे पासवर्ड का उपयोग करना पसंद करते हैं, जिन्हें याद रखना उनके लिए आसान हो, इसलिए एक नया पासवर्ड बनाने का एक आसान तरीका जो सुरक्षित और याद रखने में आसान हो, एक सामान्य पासफ्रेज़ का उपयोग करना और उस वाक्यांश को पासवर्ड में बदलना है।

### पासवर्ड चुराने का तरीका है फिशिंग

एसपी हिमांशु गर्ग ने बताया कि फिशिंग वह प्रक्रिया है, जिसके तहत साइबर अपराधी किसी उपयोगकर्ता को अपना पासवर्ड या संवेदनशील जानकारी प्रकट करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग के माध्यम से डराने-धमकाने, भय या चाल का उपयोग करते हैं। कोई अपराधी किसी व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड के खाते का प्रतिनिधि बनकर उन्हें बता सकता है कि खाते पर कोई गैरकानूनी शुल्क लगाया गया है। फिर वे आपसे शुल्क सत्यापित करने के लिए बैंक वेबसाइट के नकली संस्करण के लिंक के माध्यम से लॉगइन करने के लिए कहते हैं। एक बार जब वे पीड़ित की लॉगिन क्रेडेंशियल सबमिट कर देते हैं, तो वे डेटा को इंटरसेप्ट कर लेते हैं। फिशिंग पासवर्ड चुराने का एक सामान्य तरीका है।

गतांक से आगे

*भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।*
*रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है।*

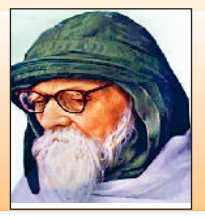

# शक का संक्रमण

कहानी | दिव्या शर्मा



कृति ने चाय को गले से उतारा और स्टीम लेने लगी। वैभव वहीं खड़ा था।

'तुम जाओ...बीमार हो जाओगे...जाओ प्लीज।'कृति ने जोर देकर कहा।

'मैं ठीक हूँ। सुबह कोरोना का टेस्ट होगा हमारा। तुम रिलेक्स रहना कृति।' वैभव उसे समझाते हुए बोला। कृति ने हाँ में सिर हिलाया। थोड़ी देर में वह फिर से सो गई। कोरोना के लक्षण अभी इतने नहीं दिखाई दे रहे थे, लेकिन वैभव डर गया। कृति के मायके फोन कर खबर देने के बाद वैभव ने सारे घर को सेनिटाइज किया। चाय का कप लेकर कृति के कमरे के बाहर ही बैठ गया। कृति बीच बीच में खाँस रही थी और बेचैनी से अपने सीने को रगड़ रही थी। अस्पताल ले जाना खतरनाक था, क्योंकि अस्पताल से आती मौत की खबरों ने दहशत मचा रखी थी। वैभव की आँखों में नींद नहीं थी। वह एकटक कृति को देख रहा था। कृति बार बार अपनी गर्दन पर हाथ फेर रही थी। बाहर फैला काला स्याह सन्नाटा कोरोना के साथ मिलकर सबके दिलों से खेल रहा था जैसे 'पा...पानी' कृति के होंठ बुदबुदाए।

वैभव भागकर फ्लास्क में से गुनगुना पानी निकाल कर कृति के होंठों से लगा देता है। लिटाकर टेम्प्रेचर लेता है। बुखार कुछ कम हुआ था, लेकिन अब भी एक सौ दो पर अटका था।

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।

रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। धीरे धीरे नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है। रात अब भी जाग रही थी। स्याह काले सन्नाटे के साथ बीच बीच में पुलिस की गाड़ी की आवाज़ सुन यह सन्नाटा कहीं दुबक जाता, लेकिन गाड़ी के गुजरते ही बेशर्मी से ठठाकर हँस पड़ता। शहर के घरों में कैद जिन्दगियां एक दूसरे से दूरी बनाएं एक दूसरे की सलामती की दुआएँ कर रही थी।

कोरोना ने लोगों के पैरों को तोड़ दिया था जैसे वह अपने पैरों की रफ्तार थाम चुके थे, लेकिन दिमाग में चलते विचार भविष्य के अंधकार को दिखा रहे थे। सूरज अपने समय पर उगा। खिड़की से आती सूरज की रोशनी कृति के चेहरे पर पड़ने लगी। वह नींद से जाग जाती है। शरीर में टूटन थी। सहारा ले बिस्तर से उठती है और बाथरूम में घुस जाती है। वैभव दरवाजे के पास ही जमीन पर बेखबर सो रहा था। बाथरूम से बाहर आकर कृति की नजर जमीन पर लेटे वैभव पर पड़ती है। वह कसमसा कर रह जाती है। अपने शरीर में दो कदम चलने की हिम्मत भी कृति से नहीं हो रही थी। साँस लेने में उसे तकलीफ होने लगी। वह वैभव को बुलाना चाहती थी, लेकिन खाँसी के तेज उफान से यह नहीं हो सकता था। उसके खाँसने की आवाज़ से वैभव की नींद टूट जाती है वह हड़बड़ा कर उठता है और देखता है कि कृति बिस्तर पर सिकुड़ कर लेटी हुई है। वह अपने मुँह पर मॉस्क ठीक करता है और उसके पास जाकर उसे सीधा करता है। कृति गले में रुकावट का इशारा करती है। वैभव गुनगुना पानी उसके गले में उतार देता है। कृति को राहत महसूस होती है।

वैभव की घबराहट कृति के लिए बढ़ती जा रही थी। वह लगातार व्हाट्सएप पर ऑक्सीजन सिलेंडर के इंतजाम के लिए मैसेज कर रहा था। ऑक्सीमीटर ऑर्डर कर वैभव कोरोना हेल्पलाइन सेंटर में कॉल कर कृति की स्थिति बताता है। वहाँ से वैभव को कुछ निर्देश मिलते हैं। कोरोना टेस्ट के लिए पीपीई किट पहने दो लोग आए और उनका सैंपल ले गए। मौत का भय कैसे मस्तिष्क को शून्य कर देता है यह वैभव और कृति महसूस कर रहे थे। बिस्तर पर पड़ी कृति वैभव की उसके लिए चिंता साफ महसूस कर रही थी। प्यार जो स्याही सोखते की तरह कहीं सारी भावनाओं को सोख रहा था एक बार फिर वापस तरल होने लगा। घर के काम और कृति की देखभाल में वैभव भूल गया था कि कृति उसके साथ बस कुछ दिनों के लिए है। ऑक्सीमीटर से रोज ऑक्सीजन नापने से लेकर कृति को नहलाने तक का काम वैभव कर रहा था और कृति उसके प्रेम को धीरे धीरे पी रही थी। मन में अजीब सी ग्लानि महसूस कर कृति अक्सर रो देती लेकिन वैभव के सामने सामान्य बनी रहती। कृति तकलीफ में थी। मन से भी और शरीर से भी, लेकिन उसके अपनों ने उससे दूरी ही रखी। शायद भय था कि कहीं कृति उनसे कोई मदद न माँग ले। वैभव कोरोना को लेकर ऑनलाइन सर्च करता रहता। कृति के इलाज के साथ सावधानी और उसकी डाइट पर वैभव कोई लापरवाही नहीं करना चाहता था। दिन बीत रहे थे और कृति तेजी से रिकवर कर रही थी, लेकिन कमजोरी इतनी थी कि वह खुद के काम करने में भी सक्षम महसूस नहीं कर रही थी। बॉलकनी में कुर्सी पर बैठी कृति शहर के सन्नाटे को महसूस कर रही थी। आस पास के फ्लैट्स की बॉलकनी के दरवाजे कस कर बंद पड़े थे। शायद सबको उसका कोरोना पॉजिटिव होना पता चल गया था। इंसानों के बीच आई यह दूरी कितनी पीड़ादायक थी। वह अपने ख्यालों में खोई थी कि रसोई से आती तेज आवाज़ से उसका ध्यान भंग हुआ। वह दीवार का सहारा लेकर कमरे से बाहर निकली। रसोई में वैभव अपना हाथ झटक रहा था। फर्श पर दूध का बरतन पड़ा था जिसमे से भाप उठ रही थी। माजरा समझते उसे देर न लगी वह बेचैनी से चिल्लाई, 'वैभव ठंडा पानी डालो हाथ पर. जल्दी करो वैभव!' 'ठीक है...लेकिन तुम जाओ आराम करो परेशान न हो।' वैभव ने फ्रीज खोलते हुए कहा। 'अभी भी मेरी चिंता कर लो! ठीक हूँ मैं. अपना हाथ दिखाओ।' वह चिल्लाई। वैभव का हाथ लाल हो गया था। 'क्या किया तुमने ये! हाथ से बरतन उठा रहे थे क्या? बरतन गरम है यह तो देख लेते!' कृति गुस्से से बोली। 'मेरी चिंता मत करो.वैसे भी अकेले ही रहना है मुझे।' अपनी हथेली को कृति की हथेलियों से.छुड़ाकर वह बोला। 'तो तुम क्यों चिंता कर रहे थे मेरी! रातदिन मेरे लिए दौड़ रहे हो। मेरे लिए अपनी नींद खो रहे हो। मरने देते मुझे।' कृति की आवाज़ में दर्द था। 'प्यार करता हूँ तुमसे। तुम्हारे लिए तो जान भी दे सकता हूँ!' वैभव न कहा।

'तो क्यों नहीं मुझे रोक लेते!' सुबकते हुए कृति बोली। 'मैंने तो कभी तुमसे दूर होने की कल्पना नहीं की .तुम ही मुझसे नफरत करती हो!' वैभव रसोई के फर्श पर बैठ गया। 'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने सिर्फ यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।

> *'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।*

कृति खामोश हो नीचे बैठ गई। उसकी आँखों से बहता पानी अपनी गलती का एहसास करा रहा था। वैभव उसके गालों पर आँसू देख परेशान हो गया। 'तुम रो क्यों रही हो कृति! देखो अभी तुम्हारी तबीयत पूरी तरह ठीक नहीं। साँस लेने में दिक्कत हो जायेगी।' वैभव बोला। 'कुछ नहीं होगा मुझे। इस कॉरोना संक्रमण ने मेरे शक के संक्रमण को मार दिया है वैभव। मुझे माफ कर दो मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। तुम्हें किसी और के करीब देख मेरी चेतना शून्य हो गई थी। मैं ईर्ष्या में गलती कर गई। तुम्हारा अपमान किया तुम पर आरोप लगाए.मुझे माफ कर दो वैभव।' कृति हाथ जोड़कर बिलखने लगी।

'तुम्हारी आँखों में अपने लिए नफरत देख मैं कितना तड़पा हूँ तुम नहीं समझ सकती। अब ऐसे रोकर मुझे और तड़पा रही हो। कैसे सोच लिया था तुमने कि तुम्हारे बिना मैं जिन्दा रह पाता. मर जाता मैं मर जाता।' इतना कहकर वैभव ने कृति को बाँहों में भींच लिया। दोनों के आँखों से बहता पानी प्रेम के सागर को और गहरा करने लगे.अगली तारीख पर अपना फैसला सुनाने के लिए कृति ने वैभव के सीने से लिपट गई। *(समाप्त)*

रागनी | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

झूँठ कपट छल बेईमाने तै हर मानस लाचार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

राजनीति में झूठे नेता बैठे हैं दरबारों म्हैं
प्रजा हित प्रस्ताव गल जाते अखबारों म्हैं
नकली चीज बजारों मै,असली पर तकरार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

मन्दिर अन्दर भगवान बणगे देख पुजारी
ईष्ट देव से ज्यादा देखों चेली लाग प्यारी
सत्संग के म्हा रहीं नाच कुंवारी सब तरह सिंगार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कपटी तो सरपंच बेईमान सब पचं बणे
चन्दा करकै खा जाते कई तरह के मचं बणे
ये डिनर कहीं लंच बणे ना खाणे लायक आहार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कुत्ते केसा सुभा आदमी काटण खातर दौड़
सास ससुर देवर जेठ का आज बहु सिर फौड़
महेन्द्र सिंह रागनी जोड़ बिलोट भण्डार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कविता | मनीषा मंजरी



## वियोग

ये कालिमा कैसी है, जिसमें तारे भी विलीन हो गए हैं,
अँधेरा है ये अंतरिक्ष का या दीये मन के बुझ गए हैं।
इंद्रधनुष है ये कैसा, रंग जिसके मिट गए हैं,
रंगहीनता है ये आकाश की, या रौशनी आँखों से
छीन गए हैं।
अम्बर है ये कैसा, विस्तृतता पर जिसके पहरे लग
गए हैं,
संक्षिप्तता है ये नीलाम्बर की, या सपने खुद में
सिमट गए हैं।
गहराई है ये कैसी, जिसमे सागर उथल गए हैं,
छिछलापन है ये समंदर का या, दर्द पलकों से टपक
गए हैं।
ये खामोशी कैसी है, जिसमें शोर सारे हीं थम गए हैं,
शून्यता है ये ब्रह्माण्ड की, या निःशब्दिता से होंठ
सिल गए हैं।
ये मेले हैं कैसे, जिसमें एकाकी व्यक्तित्व भटक गए हैं,
अभाव है ये भीड़ का या, दलदल में तन्हाई के रूह
धंस गए हैं।
ये खेल है कैसा, जिसमें पराजित से हो गए हैं,
बेवफाई है ये मोहरों की, ये भाव विजय के हमसे
मुकर गए हैं।
ये भागमभाग है कैसी, जिसमें कदम ठहर गए हैं,
ठहराव है ये सफर का या, विरक्त शख्सियत से हम
हो गए हैं।
ये विरह है कैसा, जिसमें चेहरे तक बादलों के हो
गए हैं,
इंतजार है ये अनंत का या अनन्तता में यादों की हम
बिखर गए हैं।

कहानी | रविंद्र बत्रा



## दस रुपये

सब्जी लेने जैसे ही रमन उस मार्केट में पहुंचा, देखा एक पहलवान टाइप लड़का एक सब्जी वाले की रेहड़ी को उल्टाने की कोशिश कर रहा था। सब्जीवाला भी उसे चुनौती देते हुए कह रहा था, उल्टा दो, सड़क के बीच में उल्टा दो। रेहड़ी पर आलू, प्याज और टमाटर थे। जाहिर है रेहड़ी के उलटने से काफी नुकसान होना था। दोनों का अहम अपनी चरम सीमा पर था। पहलवान लगभग रेहड़ी को उल्टाने ही वाला था। रमन आमतौर पर दब्बू किस्म का आदमी था बस अपने काम से काम रखना। जहां बच सके, दो पैसे बचाना। कभी-कभी वह एक कप चाय भी इसलिए नहीं पीता था, कि दस रुपये बच जाएंगे और बच्चों के काम आएंगे, पर पता नहीं क्या सोचकर रमन एक क्षण के लिए वहां खड़ा हो गया। अपने कमजोर शरीर और पहलवान की कद-काठी से डरते-डरते भी, उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, 'मुझे तुमसे बात करनी है।' पहलवान थोड़ी अकड़ दिखाते हुए बोला, 'यही बताओ, जो बताना है।' रमन उसके कान के पास जाकर धीरे से बोला, 'क्यों किसी गरीब आदमी की आह लेते हो। क्या बात हो गई। इसमें कोई गलती की है तो मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं।' पहलवान बोला, 'मुझसे बदतमीजी से बात कर रहा था। एक तो मेरी दुकान के आगे रेहड़ी लगाई हुई है, ऊपर से दस रुपये कम करने के लिए कहा तो बकवास भी कर रहा है।' रमन बोला, 'मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं, कोई बात नहीं। गरीब आदमी है। उसकी बद्दुआ मत लो।' पहलवान के कान में बात करते हुए रमन ने महसूस कर लिया, उसने शराब भी पी रखी है। एक पहलवान ऊपर से शराब का उन्माद। उलझने में पिटने का खतरा भी हो सकता था। रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'भैया ऐसा करो इसकी दुकान के आगे से रेहड़ी हटा लो। मैं कहीं और लगवा देता हूं।' रमन उसकी सब्जी की रेहड़ी को पीछे कर रहा था, तभी पहलवान ने इशारे से रमन को अपने पास बुलाया। रमन के सारे शरीर में किसी अनहोनी की आशंका से सिरहन दौड़ गई। रमन जैसे ही उसके पास पहुंचा वह पहलवान उसकी तरफ थोड़ा झुकते हुए बोला, 'मेरा सामान उसके पास तुला पड़ा हैं। यह लो सौ रुपये वह अस्सी मांग रहा है, मैं साठ कह रहा हूं। जितने ले दे देना।' रमन ने रेहड़ी वाले से पूछा, 'कितने का सामान है बोला अस्सी का है, सत्तर दे दो।' रमन बोला, 'वह साठ कह रहा है, आप साठ ही काट लो। पागल सा लग रहा है, शराब भी पी रखी है। अगर आपको घाटा हो रहा है तो दस रुपये मुझसे ले लेना।' रेहड़ी वाले ने साठ रुपये काटकर बाकी पैसे रमन को लौटा दिए। रमन ने सब्जी की थैलियां और पैसे लिए और पहलवान को पकड़ा दिए। अचानक वह पहलवान रमन के पैरों की तरफ झुक गया और पैर छूते हुए बोला 'सॉरी'। अचानक हुई इस घटना से अचंभित रमन की आंखें भीग गई। इधर इस दौरान इस सब्जी वाले की रेहड़ी की जगह पर किसी अन्य रेहडी वाले ने अपनी रेहड़ी लगा ली। रमन ने उससे अनुरोध किया, 'भैया आप रेहड़ी को थोड़ी परे कर लो, इसको यहां लगाने दो। इसकी रेहड़ी यही लगी हुई थी। झगड़ा हो रहा था तो मैंने इसे पीछे करवाया था।' हालांकि वहां दोनों रेहड़ियों की जगह बन सकती थी, लेकिन अब आया रेहड़ी वाला, अपनी रेहड़ी को साइड में करने को तैयार नहीं था। तभी थोड़ी दूर खड़ा हुआ पहलवान आया और इस नए रेहड़ी वाले को बोला, 'अबे! उसको रेहड़ी लगाने दे यहां। मैंने हटवाई थी। यह मेरी दुकान के आगे की जगह है। यह कहते-कहते उसने खुद ही अपने हाथों से उसकी रेहड़ी को वहां जगह बनाकर लगा दिया। पहलवान के जाने के बाद रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'मुझे एक किलो आलू दे दो और सुनो अगर तुम्हें घाटा हुआ है तो मेरे पैसो में से दस रुपये काट लो।' सब्जी वाले ने आलू दिए और रमन के पैसों में से दस रुपये ज्यादा काट लिए। जब रमन घर की तरफ जा रहा था उसके मन में अजीब सा द्वंद था। एक पहलवान था, जो अपनी गलती मान कर उसके पैर छूकर गया था। एक सब्जी वाला था, जिसकी रेहड़ी पलटने से रमन ने बचाया था और जिसने एक बार भी यह नहीं कहा की यह दस रुपये रहने दो, जो आप अपनी जेब से दे रहे हो। कौन सही था, कौन गलत फैसला करना बहुत मुश्किल था।

**साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य पथ-प्रदर्शक भी है। आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं। इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलू है।**

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

# सामाजिक संस्कारों में साहित्य की अहम भूमिका: राजश्री

साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं से समाज को नई दिशा देते आ रहे हैं। गद्य व पद्य दोनों ही शैलियों में साहित्य सृजन करने वाले साहित्यकारों में हर किसी लेखक का ध्येय यही है कि उनकी रचनाएं समाजिक बुराइयों को उजागर करके समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। सामाजिक रीति रिवाज और संस्कृति के साथ संस्कारों को संजोने वाले ऐसे साहित्यकार और लेखकों में हरियाणा की महिला रचनाकार भी पीछे नहीं हैं। ऐसी ही महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। रचनाकार और कवयित्री राजश्री गौड़ ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिससे साहित्य के बिना सामाजिक संरचना अधूरी है।

राजश्री का जन्म पलवल जिले की तहसील हथीन में 24 नवम्बर, 1956 को एक शिक्षित और समृद्ध परिवार पं. चिन्तामणि पाराशर व जय देवी के घर में हुआ। उनके बाल्यकाल के दौरान ही उनका संयुक्त परिवार सोनीपत में आकर बस गया, इसलिए उनकी पूरी शिक्षा दीक्षा सोनीपत में ही हुई। उनके पिता कुश्ती, कबड्डी व वालीबॉल के खिलाड़ी थे, लेकिन दादा के देहावसान के कारण उन्हें पैतृक काम ज्वैलरी और जवाहरात का बिजनेस संभालना पड़ा। राजश्री की प्रारंभिक शिक्षा आर्या गर्ल्स स्कूल में हुई और उन्होंने हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत से बी.ए. और बीएड किया। इसके बाद एम.ए. (हिन्दी) में दाखिला लिया, लेकिन किन्हीं कारणों से पूरी नहीं हो सकी। अपने शिक्षित परिवार में उन्होंने दादी को गीता और रामायण तथा माँ को भजन गुनगुनाते घर के काम करते देखा, तो वहीं उनके पिता का साहित्य से बहुत लगाव था, जो हमेशा सोने से पहले शरतचंद्र, बिमल मित्र व मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास पढ़ते थे। वहीं घर में पत्र पत्रिकाएं भी आती थी, जिनमें से पिताजी उन्हें कविताओं को कंठस्थ कराते थे और शनिवार को स्कूल में होने वाली बालसभाओं में वह कविताएं सुनाती थी। ऐसे में साहित्य के प्रति रुचि स्वाभाविक ही था। मसलन बचपन में ही उन्होंने रचनाओं के रूप में लेखन कार्य शुरू कर दिया था। हालांकि वास्तविक रूप से उनका लेखन कार्य कालेज की शिक्षा के दौरान साल 1972 से शुरू हुआ और कालेज की मैगज़ीन में उनकी कविता छपी, जबकि भोपाल से प्रकाशित एक अखबार में 20 जनवरी 1984 को गणतंत्र दिवस परिशिष्ट में उनकी कविता छपी तो उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, लेकिन नवंबर 1978 में विवाह के बाद परिवार की जिम्मेदारी सर्वोपरि रही और लेखन नगण्य सा हो गया। बाद में पति व बच्चों के प्रोत्साहित करने पर फिर लेखन कार्य ही शुरु नहीं किया, बल्कि कुछ सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ गई।

राजश्री गौड़ का आधुनिक युग में हिन्दी साहित्य के महत्त्व और उपयोगिता को लेकर कहना है कि आरंभ में जहां पद्यात्मक शैली में साहित्य की रचनाएँ की गई, जिसके बाद बदलते समय-काल के अनुसार काव्य, गद्य में कहानी, एकांकी, लेख, उपन्यास लघुकथा और राष्ट्रवादी रचनाओं में राजनीतिक प्रभाव नजर आने लगा है। इसके बावजूद आज भी स्वस्थ साहित्य का विशेष स्थान है और रहेगा। इसका कारण है कि साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण और पथ-प्रदर्शक भी है। बेशक आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं, लेकिन पाठक कम नहीं हैं। इस इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलु है। यह भी सच है कि सोशल साइट्स पर साहित्य के अलावा देश दुनिया की बहुत सारी चीजें, मिल जाती हैं। इस आधुनिकीकरण की दौड़ में संस्कृति और संस्कारों में कमी होती नजर आ रही है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति स्कूल व कालेज स्तर पर भी प्रेरित करने की ज्यादा जरूरत है।

### प्रकाशित पुस्तकें

महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ की प्रकाशित 15 पुस्तकों में 12 साझा संग्रह और 3 एकल काव्य-संग्रह शामिल हैं। उनके काव्य संग्रह में 'धनक', ग़ज़ल-संग्रह 'तुमको भुलाया कहाँ है' और 'मत कहो जिन्दगी थमी है' शामिल है। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशन हेतू पांडुलिपि तैयार है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना काल में ई काव्य संकलन भी लिखा, वहीं ई-लघुकथा संकलन में हरियाणा के प्रमुख लघुकथा कार भी शामिल है। इसके अलावा उनकी पुस्तकों की लेखन विधा में कविता, ग़ज़ल, लेख, व्यंग्य लेख, लघुकथा, कहानी, बाल कविताएं भी शामिल हैं। कविता-कोश, साहित्य-पीडिया, क़ागज-दिल.कॉम पर भी उनकी रचनाएं उपलब्ध हैं।



राजश्री गौड़

### पुरस्कार व सम्मान

राजश्री गौड़ को हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा तीन बार सम्मानित किया जा चुका है। प्रमुख रूप से उन्हें नारी गौरव सम्मान, श्रेष्ठ हिन्दी रचनाकार सम्मान, प्रेम-काव्य सम्मान, भारत के प्रतिभाशाली रचनाकार सम्मान, साहित्य-शिरोमणि सम्मान, सिद्धि साहित्य सम्मान, जैमिनी अकादमी सम्मान, भारत गौरव सम्मान के अलावा अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण मंच, जिया साहित्य मंच बैंगलोर, हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी भोपाल, कागज-दिल साहित्य संस्था और जैमिनी साहित्य अकादमी पानीपत आदि साहित्यिक मंचों से पुरस्कार के साथ सम्मानित किया जा चुका है।

### व्यक्तिगत परिचय

**नामः** राजश्री गौड़
**जन्मतिथिः** 24 नवम्बर, 1956
**जन्म स्थानः** हथीन, जिला पलवल(हरियाणा)
**शिक्षाः** बीए, बीएड (हिंदू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत)
**सम्प्रतिः** समाज सेवा, स्वतंत्र लेखन
**संपर्कः** सेक्टर-15, सोनीपत हरियाणा।

# साहित्य एवं साहित्यकारों से रूबरू कराती पुस्तक

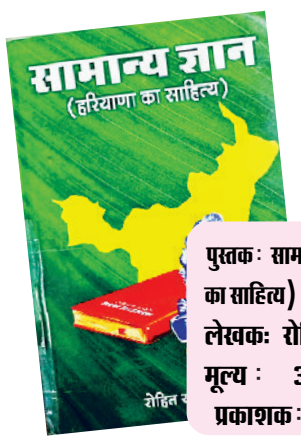

**पुस्तकः** सामान्य ज्ञान (हरियाणा का साहित्य)
**लेखकः** रोहित यादव
**मूल्यः** 300 रुपये
**प्रकाशकः** अनिल प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

जिस तरह से अध्यापक बच्चों को पढ़ाकर शिक्षा की लौ जगाता है और देश का भविष्य गढ़ता है, उसी तरह से साहित्यकार भी अपना दायित्व निभाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से समान को नई दिशा देता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से नई सोच का भी सृजन करता करता है।

समाज के प्रति अपनी यह जिम्मेदारी रोहित यादव ने बखूबी निभाई है। यूं तो उन्हें साहित्य की हर विधा में महारत हासिल है। रोहित यादव की हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक पाँच दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैंदोहा, कुंडली, कविता, कहानी और लघुकथा समेत हर विधा में अपनी लेखनी से साहित्य को समृद्ध किया है, लेकिन यह पुस्तक अपने आप में नया प्रयोग है।

रोहित यादव की पुस्तक सामान्य ज्ञान (हरियाणा साहित्य) प्रदेश के साहित्य और साहित्यकारों से रूबरू करवाती है। यह वास्तव में अनुपम कृति है। पुस्तक को प्रश्नोत्तर की शैली में तैयार किया गया है। इसमें लगभग साढ़े 800 प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं। साहित्य में रुचि रखने वाले लोगों के लिए उनकी हर जिज्ञासा को शांत करती नजर आती है यह पुस्तक।

रोहित यादव का प्रशोत्तर के रूप में पुस्तक को प्रकाशित करने का विचार भी अलग है। इतना ही नहीं लोक साहित्य और साहित्यकारों का उल्लेख ही नहीं किया है बल्कि उनकी कृतियों से भी परिचित करवाया है जो पुस्तक को और विशेष बनाता है। जैसा कि स्वयं लेखक ने भी अपनी पुस्तक में उल्लेख किया है। हरियाणवी प्रादेशिक साहित्य एवं साहित्यकारों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार करना, वर्तमान युवा पीढ़ी को इस स्पृहणीय स्थिति से अवगत कराना, शोध एवं समीक्षा के क्षेत्र हेतु आधार सामग्री उपलब्ध कराना, प्रतियोगी परीक्षार्थ रोचक, दुर्लभ व मौलिक साहित्यिक जानकारी प्रदान करना उपन्यस्त संकलन का ध्येय है।

यह कृति केवल युवा विद्यार्थियों और शोधार्थी छात्रों के लिए ही नहीं वरन कुछ साहित्यकारों के लिए भी उपयोगी साबित होगी जो कुछ तथ्यों को कदाचित भूल गए होंगे। उन्हें लेखक ने पुस्तक में प्रकाशित करके फिर से उनकी स्मृति पटल पर ला दिया है।

पुस्तक की भाषा शैली चिर परिचित अंदाज में सहज एवं सरल है। महत्वपूर्ण सामग्री के चलते पुस्तक संग्रहणीय बन पड़ी है।

## खबर संक्षेप

### पाचन तंत्र एवं कमर दर्द के लिए रामबाण उष्ट्रासन

**रोहतक।** सूर्या कॉलोनी शास्त्री नगर वार्ड एक शिव मंदिर के पास नवयोग द्वारा चल रहे योग शिविर का समापन हो गया। जसबीर शास्त्री ने बताया कि उष्ट्रासन पाचन तंत्र, मोटापा, सर्वाइकल, कमर दर्द एवं घुटनों जैसे रोगों में लाभकारी सिद्ध होता है। बच्चों ने भ्रामरी प्राणायाम एवं ज्ञान मुद्रा के साथ शीतली प्राणायाम, सीत्कारी प्राणायाम एवं चंद्रभेदी प्राणायाम का अभ्यास किया। रामभज पंडित और कॉलोनी के पूर्व सरपंच नीलम पांचाल ने जीवन में योग को अपनाने की सलाह दी।

### सत्संग से ही मन की भटकन मिटती है

**रोहतक।** डेरा श्री बाबा लक्ष्मण पुरी महाराज गौकर्ण तीर्थ में महिला निरंकारी संत समागम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संत निरंकारी मिशन के विद्वान कर्मयोगी बहन वीना गुलाटी ने की। उन्होंने कहा कि केवल सत्संग से ही मन की भटकन मिटती है। आज का इंसान सुख और सुकून की तलाश दुनिया के भौतिक पदार्थों में कर रहा है जबकि वास्तविक सुख इस निरंकार प्रभु को जानकर इसके एहसास में जीवन को जीने में है। संत निरंकारी मिशन सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज की रहनुमाई में जगह जगह ऐसे आयोजन कर के यही पावन संदेश दे रहा है, साथ ही उन्होंने कहा कि भक्ति की शुरुआत खुद से होती है और अपने घर से होती है।

### मालगाड़ी की चपेट में आने से घायल

**बहादुरगढ़।** आसौदा रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति माल गाड़ी की चपेट में आ गया। गनीमत रही कि गार्ड ने एमरजेंसी ब्रेक लगवा दिए अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घायल को आरपीएफ के जवान ने संभाला। इस बीच व्यक्ति के घर वाले भी मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए शहर के नागरिक अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया है।

### अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

**बहादुरगढ़।** पुलिस की अपराध जांच शाखा द्वितीय ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। दरअसली, सीआईए की टीम आसौदा क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान टीम को सूचना मिली कि नवीन नाम का एक शख्स रोहतक रोड पर फ्लाईओवर के नीचे मौजूद है। उसके पास हथियार हो सकता है। इस सूचना पर टीम वहां गई और शक के आधार पर तलाशी ली।

### चार को आएगी पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट

# अब नहीं होगा यूजी में दाखिलों को लेकर आवेदन, पोर्टल बंद, मेरिट लिस्ट की तैयारी

#### 17 जुलाई को दोबारा खुलेगा पोर्टल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

यूजी में दाखिलों को लेकर विद्यार्थी आज से आवेदन नहीं कर पाएंगे। उच्चतर शिक्षा विभाग ने 30 जून आवेदन करने की आखिरी तिथि निर्धारित की थी। ऐसे में अब विद्यार्थियों को पहली मेरिट लिस्ट का इंतजार रहेगा जो 4 जुलाई को आनी है। हालांकि यह लिस्ट प्रोवीजनल होगी, इसमें अगर बदलाव हुआ तो फाइनल मेरिट लिस्ट 5 जुलाई को जारी की जाएगी। वहीं दस्तावेजों की जांच फिलहाल जारी है, जिसकी आखिरी तारीख 2 जुलाई है।

#### ऑब्जेक्शन के बाद दस्तावेज करें अपलोड

आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसके लिए महाविद्यालयों द्वारा कमेटियों का गठन किया गया है। अगर किसी विद्यार्थी ने कोई जरूर दस्तावेज अपलोड नहीं किया है तो शिक्षक ऑब्जेक्शन लगा रहे हैं। जिसके बाद विद्यार्थियों के मोबाइल पर मैसेज के जरिए सूचना पहुंच रही है कि उन्होंने दाखिलों को लेकर ऐसा कोई दस्तावेज अपलोड नहीं किया है, जो जरूरी है। इतना ही नहीं फोन व मेल के माध्यम से भी सूचना विद्यार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। अगर इसके बाद भी किसी विद्यार्थी ने दस्तावेज अपलोड नहीं किया तो उसका नाम मेरिट लिस्ट में नहीं आएगा। इसलिए विद्यार्थी 2 जुलाई तक अलर्ट रहें और अपना मोबाइल और इमेल चैक करते रहें, अगर उनके फार्म में ऑब्जेक्शन लगाया गया है तो उसे दूर करें।

#### दोबारा पोर्टल खुलने पर कर सकते हैं आवेदन

जिन विद्यार्थियों ने दाखिला लेने के लिए अभी तक आवेदन नहीं किया है, वह छात्र 17 जुलाई को दाखिलों के लिए आवेदन कर सकते हैं। डीएचई ने 17 को दोबारा पोर्टल खोलने संबंधी सूचना जारी कर रखी है। इस दौरान विद्यार्थी आवेदन करने के बाद 30 जुलाई तक ओपन काउंसलिंग में भाग लेकर दाखिला ले सकते हैं। यहां भी दाखिला प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी। इस दौरान 23 जुलाई तक विद्यार्थियों की 100 रूपये लेट फीस लगेगी। इसके बाद 30 तक लेट फीस बढ़ जाएगी। इस प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों के दाखिले शेष बची सीट पर होंगे, यानी छात्रों को उनके मन पसंद कोर्स में दाखिला मिले इसकी संभावना काफी कम रहेगी।

#### दाखिला प्रक्रिया के लिए टोल फ्री नंबर

वहीं उच्चतर शिक्षा विभाग ने दाखिलों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर जारी कर रखा है। विद्यार्थी 18001802133 पर संपर्क कर सकते हैं। वहीं वेबसाइट **admissions@highere-duhry.ac.in** पर जाकर भी अपनी बात डीएचई के समक्ष रखी जा सकती है।

महम। पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक लेते भाजपा नेता अजीत अहलावत।

## अजीत अहलावत ने भाजपा कार्यकर्ताओं संग की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

भाजपा के पूर्व प्रत्याशी रहे बीजेपी के स्थानीय नेता अजीत अहलावत ने अपने आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और कहा कि इस बार महम के विधानसभा चुनाव में महम हलके में कमल का फूल खिलेगा। कहा कि तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा नेता अजीत अहलावत ने महम हलके में हुड्डा सरकार के दौरान विपक्ष के नेता के रूप में खास भूमिका निभाई थी। विरोध प्रदर्शनों और कांग्रेस नेताओं के पूतले जलाने के लिए उन्हें विशेष रूप से जाना जाता है। इस मौके पर जस्सू नाई, चरण सिंह खरकड़ा, सुखबीर गोयत, दयानंद नैन, कृष्ण पांचाल, सतबीर प्रधान, प्रदीप यादव, अमरजीत रांगी, सुरेश यादव, अशोक गुप्ता व बलदेव सिंह मौजूद थे।

## गांधी कुष्ठ आश्रम में लगाए पौधे

रोहतक। गैवप्स फाउंडेशन एवं विश्व हिंदू रुद्र सेना सेवा संघ द्वारा गांधी कुष्ठ आश्रम संजय कॉलोनी में पौधरोपण किया गया। जिसमें 4 बड़, 3 पीपल, 2 पिलखन व 2 मोलसरी के पौधे लगाए गए। इसके साथ आश्रम के लोगों को फल भी बांटे गये। मुख्य अतिथि सीए सुशील कुमार जैन रहे। उन्होंने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया व हर व्यक्ति को पेड़ लगाने के साथ-साथ उसकी देखभाल करने की भी जिम्मेदारी लेने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि संदीप कुमार डायरेक्टर कोटा क्लासेज ने लोगों को ज्यादा से जयादा पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर संघ प्रमुख नवल किशोर महाराज, संघ कमांडो दीपक शर्मा, गैवप्स फाउंडेशन के कार्यकारणी सदस्य गिरीश चावला, विजय, अनुराग मिश्रा, पवन कुमार, वालंटियर्स तपांशु कश्यप, दिनेश कुमार, अभिमन्यु शर्मा, आशीष दुबे, जलकरण, कविता खत्री, धर्मेंदर कुमार, दिव्यांश आदि मौजूद रहे।

## रोटरी क्लब आफ सफायर ने भगवान महावीर डिजिटल लाइब्रेरी में लगवाया वाटर कूलर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। भगवान महावीर डिजिटल लाइब्रेरी में वाटर कूलर आरओ करते हुए जेड ग्लोबल स्कूल के चेयरमैन जोगी राम गर्ग, स्कूल डायरेक्टर डा. चंद्र गर्ग, क्लब के प्रधान राजीव बेरीवाल व लाइब्रेरी इंचार्ज राजीव जैन।

रोटरी क्लब आफ रोहतक सफायर द्वारा सिविल रोड स्थित भगवान महावीर डिजिटल लाइब्रेरी में वाटर कूलर आरओ के साथ लगाया गया। जेड ग्लोबल स्कूल के चेयरमैन जोगी राम गर्ग, स्कूल डायरेक्टर डा. चंद्र गर्ग, क्लब के प्रधान राजीव बेरीवाल, सचिव संजय पारिख, कोषाध्यक्ष अनिल बंसल, प्रोजेक्ट को-चेयरमैन राजीव जैन एवं सभी सदस्यों ने उद्घाटन किया। लाइब्रेरी इंचार्ज राजीव जैन ने क्लब का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विनोद जैन, विनय गोयल, संजय पारीक, विजय तायल, संजय गोयल, सतीश गोयल, अनिल बंसल, नितिन तायल, रमेश रोहिल्ला, बालकिशन, विकास कंसल, विनोद सैनी, मनीष जैन, डॉक्टर प्रवीण गर्ग, मनोज गर्ग, कुलदीप गुप्ता, सुशील गर्ग, मुकेश मंगल, दिनेश तायल, सीए सुनील जैन, जोगीराम गर्ग आदि मौजूद रहे। रोटरी क्लब आफ रोहतक सफायर द्वारा डीएलएफ चौक पर स्वास्थ्य जांच शिविर 1 जुलाई को सुबह 10 बजे लगाया जायेगा, जिसमें दवाईयां निशुल्क वितरित की जायेंगी। शिविर में डॉ. हरमिन्द्र सिंह हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. देवेंद्र कौर स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. सुमित जुनेजा दंत रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश शर्मा व महिलाओं के लिए निशुल्क स्तन कैंसर जांच की जाएगी।

## 268 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। शिविर का शुभारंभ करते महामंडलेश्वर बाबा कपिल पुरी महाराज व समृद्धि जैन।

बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर में हरिओम सेवा दल के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने शिविर का शुभारंभ महामंडलेश्वर बाबा कपिल पुरी महाराज के सानध्यि में समृद्धि जैन पुत्रवधू राजेश जैन एमडी एलपीएस बोसार्ड, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में हृदय रोग, हड्डी रोग, मेडिसिन, फेफड़े जांच, बाल रोग, गैस्ट्रोलॉजस्टि आदि रोगियों का इलाज होली हार्ट हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया गया। वहीं पीजीआइएमएस डॉक्टरों द्वारा सामान्य रोग, किडनी रोग और नेत्र रोगों का इलाज किया गया। कैंप में 268 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। चश्मे, उपलब्ध दवाइयां निशुल्क दी गई। हरिओम सेवा दल के प्रधान डॉ. अनिल शर्मा ने बताया कि संस्था समाजसेवा के कार्यों में हमेशा अग्रसर रहती है। इस अवसर पर डॉ. करण भुटानी, डॉक्टर विनीत वर्मा, डॉक्टर अंकित खुराना, डॉक्टर निशा, डॉक्टर इशा पाहुजा, डॉ. सोनम गिल, डॉक्टर प्रियंका, डॉक्टर अप्रूव, मोनु, मोहित, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश, रामलीला उत्सव कमेटी के प्रधान सुभाष तायल, अश्विनी पाहवा, योगेश अरोड़ा, संजय खुराना, देवेंद्र शर्मा, सतीश मोंगिया, राजू बत्रा, महेश चुघ, जगत सिंह गिल, कृष्ण लाल घई, सन्नी निझावन आदि मौजूद रहे।

रोहतक। भवन निर्माण श्रमिक संघ के नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी का स्वागत करते हुए संघ के सदस्य।

## चांद सर्वसम्मति से भवन निर्माण श्रमिक संघ के प्रधान चुने गए

**रोहतक।** भवन निर्माण श्रमिक संघ की बैठक रविवार को कच्चा चमारिया रोड पर हुई । इसमें जिला की नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से करवाया गया। चांद को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष प्रदीप,महा सचिव राजकुमार,सचिव परवीन,सह सचिव ऋषि,महिला विंग सचिव राजबाला,कैशियर महिपाल और रत्न, आशा व सूरज को कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी। दिया गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन जिला सचिव प्रदीप ने किया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामेहर जांगड़ा व महा सचिव मोमिन व प्रदेश सचिव महेंद्र, जिला मंत्री राहुल कुमार बलियाना मौजूद रहे

## अब जनता के मुद्दों को सोशल मीडिया से उठाएगी जयहिंद सेना

- राजनीति में आएं या न आएं सर्वे करवाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। मीटिंग के दौरान जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद।

जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद ने जयहिंद सेना कोर कमांडरो की मीटिंग ली। जिसमें सोशल मीडिया की भूमिका और प्रदेश के राजनीतिक हालातों पर चर्चा की। जयहिन्द सेना कोर कमांडर मीटिंग का उद्देश्य सोशल मीडिया व धरातल पर एक ऐसी टीम तैयार करना है जो अपने अपने क्षेत्र में जो जो समस्याएं हैं, उन्हें प्रशासन के समाने उठाएं और अपने एमएलए, एमपी व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से समस्याओं के बारे में सवाल पूछ सकें व अवगत कराएं। नवीन जयहिंद ने कहा कि राजनीति में आए या ना आए इस बात का सर्वे करवाएंगे। जयहिंद ने बताया कि लोग प्रशासन के सामने अपने मुद्दे व समस्याएं उठाने से डरते हैं, इसलिए जयहिंद सेना कोर कमांडर मीटिंग का उद्देश्य लोगों के अंदर से यह डर निकालना है।

## पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जय मां गायत्री यज्ञशाला रुपया चौक पर एमडी एलपीएस बोसार्ड राजेश जैन का जन्मदिन पौधरोपण कर मनाया गया। श्री हरिहर धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिओम वशिष्ठ ने बताया कि गायत्री परिवार सदस्यों द्वारा हर रविवार को हवन किया जाता है। हवन में दीपशिखा शर्मा, अनिल शर्मा, सतीश पांचाल व अन्य गायत्री परिवार के सदस्य हवन करके सभी के मंगल की कामना करते हैं। रविवार को 108 वृक्ष लगाए गए और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी गायत्री परिवार के सदस्यों ने ली। इस अवसर पर समृद्धि जैन पुत्रवधू राजेश जैन, समाजसेवी सुभाष तायल, गायत्री परिवार व गायत्री उपासक बाबा श्रवणनाथ योगी महाराज, सतनारायण पाराशर, ताराचंद शर्मा आदि रहे।

### तालाब की खुदाई के बाद उसमें नहर का साफ पानी भरा गया

# भैणी चंद्रपाल में लोगों ने तालाब का जीर्णोद्धार किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

महम के गांव भैणी चंद्रपाल में ग्रामीणों सामूहिक रूप से गांव के तालाब का जीर्णोद्धार करवाने का फैसला लिया। पहले गांव के बड़े तालाब की खुदाई की गई। उसके बाद उसमें नहर का साफ पानी भरा गया।

तालाब के किनारों और प्राचीन बुर्जियों को नया रूप दिया गया। तालाब के गऊघाटों का भी सुधार किया गया है।

गांव की शिव मंदिर कमेटी ने गांव के इस तालाब का का सुधार करने का फैसला लिया था। उसके बाद कमेटी को पूरे गांव का सहयोग मिलता गया और तालाब को अमृत सरोवर बनाया गया है। पहले तालाब में गंदा पानी जमा रहता था। गांव के पशुओं में फैल रही बीमारियों को मध्य नजर रखते हुए कमेटी ने ये कदम उठाया। तालाब का जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने की खुशी में गांव में बड़े जोहड़ पर भंडारे का आयोजन किया गया और कमेटी के सभी सदस्यों को समनित किया गया।

महम। तालाब की खुदाई करवाने वाली कमेटी के सदस्यों को सम्मानित करते ग्रामीण।

#### ये रहे मौजूद

इस मौके पर राजकुमार उर्फ सेठी, जगबीर, भादर सिंह, कलम, नरेश चेयरमैन, डुडू, मितू, सचिन व अंकित आदि समस्त ग्रामीण मोजूद रहे।

रोहतक। पौधरोपण करते हुए एक पहल नई दिशा ट्रस्ट के संस्थापक सोमबीर व डॉ. आशुतोष कौशिक ।

## एक पहल नई दिशा ट्रस्ट ने किया पौधरोपण

**रोहतक।** एक पहल नई दिशा ट्रस्ट ने पौधरोपण किया। डॉ. आशुतोष कौशिक डायरेक्टर हारट्रोन कंप्यूटर सेंटर ने ट्रस्ट के सदस्यों के साथ त्रिवेणी लगाकर पौधरोपण की शुरुआत की। ट्रस्ट के संस्थापक सोमबीर ने कहा कि 31 अगस्त तक ट्रस्ट के सदस्यों के साथ 11 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपप्रधान पवन, कोषाध्यक्ष विनोद, ट्रस्ट के सलाहकार हितेंद्र, अभिषेक, संदीप शर्मा, संदीप सिंधु, नीरज ,प्रवीन, पंकज गुप्ता, एडवोकेट नरेंद्र नांदल, अनिल आदि मौजूद रहे।

### जानलेवा हमला करने के तीन आरोपी काबू

**बहादुरगढ़।** वाटर ऑप्रेटर पर संदीप पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए हैं। बादली थाना प्रभारी राकेश कुमार के मुताबिक, बादली के निवासी संदीप ने शिकायत देते हुए बताया कि वह 21 जून को अपनी ड्यूटी पर दादनपुर पंप हाउस के लिए घर से चला था। जब पाहसोर के बस स्टैंड के नजदीक पहुंचा तो पीछे से स्विफ्ट गाड़ी आई। गाड़ी मेरी मोटरसाइकिल के आगे लगा दी गई।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- COMPUTER OPERATOR 2
- CHEMIST SHOP STAFF 2
- PHARMACY BILLING STAFF 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

## खबर संक्षेप

### श्री बालाजी धाम से मेहंदीपुर बालाजी बस यात्रा रवाना

**रोहतक।** भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम डोभ से मेहंदीपुर बालाजी के लिए दो बसें रवाना हुई। मंदिर संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि प्रत्येक महीने के अंतिम शनिवार को बलराज सिंह कुंडू विधायक महम के सौजन्य से दो बसे मेहंदीपुर बालाजी भेजी जाती हैं।

### सात दिवसीय योग शिविर संपन्न हुआ

**रोहतक।** डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा केशव पार्क में चल रहे सात दिवसीय योग शिविर का समापन हो गया। जिसमें सर्वाइकल के उपाय, अलोम विलोम, भंवरी प्राणायाम, शीतल प्राणायाम, कंधों, कमर आदि अंगों को स्वस्थ रखने के आसनों का अभ्यास योग शिक्षक तन्वी के मार्गदर्शन में किया गया। समिति के उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कहा कि योग अभ्यास शरीर को स्वस्थ बनाता है क्योंकि यह हमें रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। इसलिए रोजाना योग करना चाहिए। योगाचार्य तन्वी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कैलाश चंद जैन, रमेश मुंजाल, मधु गुप्ता, शालू मलिक, नेहा, अनु, स्नेहा, कमलेश, रीना विरमानी, पूजा, नंदा आजाद, अनीता बत्रा आदि मौजूद रहे।

# प्रदेश में जून में 93.4 % कम हुई बरसात, पहुंचा मानसून

## अब झमाझम का दौर रहेगा कई दिन, जून 1936 में प्रदेश में सबसे अधिक वर्षा 162.1 एमएम

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

जून बीत गया। लेकिन इस महीने में 93.4 % कम बारिश हुई। जून 2023 में हरियाणा में 54.7 के मुकाबले 80.7 एमएम बरसात हुई थी। जोकि 48% अधिक थी। जिससे खरीफ से बंपर पैदा हुई थी। लेकिन इस बार जून पूरी तरह से सूखा निकल गया। जिससे असर फसलों की बढ़वार पर पड़ा। जिन किसानों ने 15 जून से धान की रोपाई प्रारंभ की थी,उस पर बारिश न होने प्रतिकूल प्रभाव रहा। जून 1936 में प्रदेश में सबसे अधिक वर्षा 162.1 एमएम थी। जोकि सामान्य से 230.8% अधिक थी।, इसके बाद वर्ष 2001 और 2008 में क्रमशः 155.1 और 150.6 एमएम बरसात हुई थी।

मौसम विभाग के मुताबिक गत 24 जून को मानसून प्रदेश के कुछ हिस्सों से होते हुए आगे बढ़ा और 02 जुलाई तक पूरे राज्य को कवर कर लेगा। वर्ष 2008 में 13 जून को ही मानसून पहुंच गया था।

लेकिन वर्ष 1987 में तो 27 जुलाई को मानसून की बरसात हुई थी। उस साल प्रदेश में भंयकर सूखा पड़ा था।

जून 2023 में हरियाणा राज्य में 54.7 मिमी के मुकाबले 80.7 मिमी (48%) वर्षा हुई जो कि अत्यधिक थी वर्षा का सामान्य से कम होना। पिछले 121 (1901-2023) के दौरान हरियाणा में सबसे अधिक वर्षा 162.1 थी 1936 में मिमी दर्ज किया गया जो सामान्य से 230.8% अधिक था, इसके बाद वर्ष 2001 और 2008 में मिमी दर्ज किया गया। क्रमशः 155.1 मिमी और 150.6 मिमी वर्षा हुई।

### किसान अब ये करें

बरसात को देखते हुए किसान रसायनिक खाद का प्रयोग फिलहाल न करें। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखें और वर्षा के बाद रुके हुए पानी की निकासी करवाएं। खेत की मेड़ों, बंजर भूमि पर उगने वाले कंघी बूटी, पीली बूटी, पूठ कांडा आदि जैसे खरपतवारों को नष्ट करें। खरपतवार प्रबंधन के तहत फसल की दो या तीन बार गुड़ाई करें। पहली गुड़ाई करें पहली सिंचाई से पहले करना चाहिए। धान के बीज जनित रोगों से बचाव के लिए नर्सरी से पहले बीज को 3 ग्राम स्प्रिंट प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करें। रोपण (3 ग्राम स्प्रिंट को 8-10 मिली पानी में घोलें)। प्रति एकड़ 12-15 टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद डालें और खेत की सिंचाई करें खरपतवार का अंकुरण/अंकुरित खरपतवारों को नष्ट करने के लिए लगभग एक सप्ताह के बाद खेत की दो बार जुताई करें। जल्दी चारा प्राप्त करने के लिए चारा मक्का, ज्वार, बाजरा, नेपियर बाजरा और गिनी घास की बुआई किसान कर सकते हैं।

### 2023 में जिलेवार बरसात

| जिला | हुई बारिश | सा. बारिश | कम-ज्यादा % |
|---|---|---|---|
| अम्बाला | 899.8 | 819.9 | 10 |
| भिवानी | 201.7 | 292.1 | 31 |
| चंडीगढ़ | 1227.1 | 844.8 | 45 |
| चरखी दादरी | 316.3 | 400 | -21 |
| फ़रीदाबाद | 646.4 | 558.7 | 16 |
| फ़तेहाबाद | 151.5 | 261.6 | 42 |
| गुड़गांव | 457.2 | 489.1 | -7 |
| हिसार | 138 | 299.3 | -54 |
| झज्जर | 343 | 380.5 | -10 |
| जींद | 217.6 | 394 | -45 |
| कैथल | 384.1 | 365. | 1 5 |
| करनाल | 568.7 | 521.9 | 9 |
| कुरूक्षेत्र | 826 | 413.6 | 100 |
| महेंद्रगढ़ | 406.4 | 394.4 | 3 |
| नूंह | 519.3 | 477.2 | 9 |
| पलवल | 334.8 | 399.3 | -16 |
| पंचकूला | 1018.1 | 859.6 | 18 |
| पानीपत | 514.9 | 455.8 | 13 |
| रेवाड़ी | 366.8 | 431.4 | -15 |
| रोहतक | 309.3 | 466 | -34 |
| सिरसा | 35.1 | 210.8 | 12 |
| सोनीपत | 533.5 | 479.1 | 11 |
| यमुनानगर | 1143.2 | 895.2 | 28 |

### प्रदेश में अगले पांच-छह दिन तक लगी रहेगी झड़ी

अब प्रदेश में मानसून पहुंच गया है। रुक-रुककर बरसात का दौर जारी है। हालांकि अभी तक समूचे राज्य में झमाझम पानी नहीं गिरा है। मौसम विभाग द्वारा जो पूर्वानुमान अब जारी किए जा रहे हैं, उनके मुताबिक अगले पांच-छह दिन तक झड़ी लगी रहेगी। अगर मौसम में एकदम से कोई बड़ा बदलाव नहीं आता है तो फिर अगले दो से तीन दिन मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो जाएगा। ऐसे में जिन किसानों ने धान की रोपाई करनी है, वे इस कार्य में जुट जाएं। अगेती किस्मों की रोपाई का समय आ गया है।

### सबसे अधिक तापमान सिरसा में रहा

शनिवार की बजाय रविवार को औसतन 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है न्यूनतम तापमान। हालांकि, यह सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर है। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस पलवल में दर्ज किया गया। इसी प्रकार रविवार को औसत अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। जबकि हालांकि, राज्य में यह सामान्य के करीब है। राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस सिरसा में रहा।

# सांसद जांगड़ा ने नए 3905 को पेंशन सर्टिफिकेट दिए

■ योजनाओं के लाभार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा रविवार को डॉ. बीआर अम्बेडकर एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण समारोह में नए लाभार्थियों को जिला विकास भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में योजनाओं के लाभ का सर्टिफिकेट वितरित किया गया।

सांसद रामचंद्र जागड़ा ने वृद्धाव्यवस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, अविवाहित एवं विधुर पेंशन योजना के तहत जिला के तीन हजार 905 लाभार्थियों और डॉ.बीआर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के 116 लाभार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित किए। इस मौके पर सांसद ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने योजनाओं को ऑनलाइन करके पात्र पेंशन धारकों को ही पेंशन देने का काम किया है। इससे पूर्व कांग्रेस सरकार में 40 वर्ष आयु का व्यक्ति बुढ़ापा पेंशन ले रहा था जबकि 80 साल का बुजुर्ग बुढ़ापा पेंशन के लिए दर-बदर भटकता था। भाजपा सरकार जब 2014 में सत्ता में आई थी तब बुढ़ापा पेंशन मात्र एक हजार रूपए थी और आज यह तीन हजार रुपये हो चुकी है।

सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सिस्टम को लगातार दुरुस्त कर रहे हैं। अंबेडकर आवास योजना के तहत कांग्रेस सरकार गरीब लोगों को प्लाटों के कब्जे नहीं दिलवा पाई, लेकिन यह काम मौजूदा भाजपा सरकार ने करके दिखाया है और गरीब लोगों को उनके प्लाट देने का काम किया है। जिन गांव में सरकारी जमीन नहीं है, वहां के पात्र परिवारों को जमीन के बदले एक लाख रुपए की नगद राशि देने की घोषणा मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा की गई है। सांसद ने जिला स्तर पर लगभग 2500 लोगों को बुढ़ापा पेंशन, 600 को विधवा पेंशन, 200 लोगों को विकलांग पेंशन व 605 विदुर को सर्टीफिकेट दिए गए। इस अवसर पर पानीपत में हो रहे मुख्यमंत्री नायब सिंह के राज्य स्तरीय समारोह का लाइव टेलीकास्ट वेब लिंक से जिला स्तर पर भी प्रसारित किया गया।

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए राज्यसभा सांसद जांगड़ा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण को खत्म करने की अफवाह फैलाई, लेकिन उनकी यह चाल सफल नहीं हो पाई। हालांकि सीट जरूर कम हुई लेकिन पांच प्रतिशत वोट ज्यादा मिले।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन मंजू हुड्डा, सीईओ जिला परिषद महेश कुमार, एसडीएम आशीष कुमार, नगराधीश अंकित कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा, जिला कल्याण अधिकारी रेनू सिसोदिया, भाजपा जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका,भाजपा महामंत्री आशा शर्मा, महंत सतीशदास, पूर्व पार्षद सुरेश किराड़ सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थी उपस्थित थे।

**रोहतक।** पहरावर रोड स्थित ओशोधारा मैत्री संघ के मेडिटेशन सेंटर में ध्यान में साधक। फोटो : हरिभूमि

# साधक को सदा निरहंकारिता में रहना चाहिए : सिद्धार्थ औलिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पहरावर रोड स्थित ओशोधारा मैत्री संघ के मेडिटेशन सेंटर ताज गार्डन में ध्यान सत्र आयोजित किया गया। आचार्य अनहद ने विपश्यना ध्यान के माध्यम से साधकों को ध्यान की गहराई में डुबोया।

जिला समन्वयक डॉक्टर परमवीर फौगाट ने कर्नल आरके हुड्डा, एडवोकेट सतपाल हुड्डा एवं रेखा रानी को ओशोधारा मैत्री सिंह रोहतक का नया सदस्य बनाया। वहीं धर्म चक्र सत्संग के 157वें एपिसोड में ओशोधारा के केंद्रीय कोऑर्डिनेटर आचार्य दर्शन ने समर्थ गुरु सिद्धार्थ औलिया की दिव्य उपस्थिति में उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक दीवाने-मुर्शिद के माध्यम से साधकों को सदा रामरस पीने एवं सुमिरन में रहने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि परमात्मा का बोधक तत्व ओंकार है और साधक को सदा निरंहकारिता में रहना चाहिए।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर आचार्य नमृता पांडे नेपाल, विदुषी, अरुणिमा, जसवीर कौर, प्रियंका, सुशील, दलबीर सिंहमार, गगन, संतोष हनुमान आदि मौजूद रहे।

# पूजा और अनिता ने अपने पिता की सेवानिवृत्ति पर लगाया शिविर

**रोहतक।** एमटीएफसी संस्था की कोर टीम सदस्य पूजा एवं अनिता ने अपने पिता की सेवानिवृत्ति पर रक्तदान शिविर एवं सेवा मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 108 लोगों ने रक्तदान कर पूजा एवं अनिता के पिता को बधाई दी। कार्यक्रम में बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर की निदेशिका समृद्धि जैन, इंडियन रैडक्रॉस सोसायटी रोहतक के सचिव श्याम सुंदर एवं नेहरू युवा केंद्र रोहतक के जिला युवा अधिकारी आशीष सांगवान सहित शहर स्थित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। मंच संचालन मिनाक्षी ढल ने किया। संस्था के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रस्तुतियों द्वारा समा बांधा गया। पूजा के पिता द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र भेंट किए गए। मां रेश्मा बागड़ी, भाई राकेश एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने रक्तदाताओं सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यक्तियों का धन्यवाद किया।

# आईएमए ने लगाया कैंप, 120 की जांच समाज सेवी और डॉक्टर सम्मानित किए

**रोहतक।** मदन लाल ढींगरा सामुदायिक केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख्यातिथि सांसद दीपेन्द्र हुडा को सम्मानित करते हुए आईएमए के प्रधान डॉ. रविन्दा हुड्डा, डॉ एस एल वर्मा,डॉ आर के चोधरी व डॉ अरुण नरुला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आईएमए रोहतक शाखा ने मदन लाल ढींगरा सामुदायिक केंद्र में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इसमें आईएमए रोहतक से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लगभग 120 रोगियों की जांच की।

स्वास्थ्य शिविर के साथ साथ रक्तदान शिविर भी लगाया गया, जिसमें चिकित्सकों और उनके सहयोगियों ने रक्तदान कियं। सिविल सर्जन डॉ. अनिल बिरला ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। शिविर के बाद राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर कार्यक्रम हुआ, इसमें सांसद दीपेन्द्र हुडा मुख्य अतिथी रहे। उनके साथ विधायक भारत भूषण बतरा ने विशिष्ठ अतिथि के तोर पर शिरकत की। आईएमए के प्रधान डॉ. रविन्दा हुड्डा ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को सम्मानित किया। आईएमए की और से बीपी जैन स्किल सेंटर की निदेशक समृद्धी जैन, लायंस क्लब आस्था के प्रधान राजिंदर मलिक, रोटरी क्लब हार्मोनी के प्रधान हेमंत बक्शी को सम्मानित किया। इनके साथ ही 57 चिकित्सकों को भी सम्मानित किया गया।

# डॉ. दिनेश निंबड़िया दूसरी बार बने हजरस के राज्य प्रधान

**रोहतक।** हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ के तत्वाधान डॉ. अंबेडकर भवन महेंद्रगढ़ में राज्य स्तरीय प्रतिनिधि अधिवेशन हुआ। जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान डॉक्टर दिनेश निंबडिया ने की। इस दौरान राज्य कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें 22 जिलों के व 119 ब्लॉकों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें दूसरी बार डॉक्टर दिनेश निंबडिया राज्य प्रधान बने। इसक अलावा विनोद मोहड़ी राज्य महासचिव, राजेश पेटवाड़ कोषाध्यक्ष व सूरत सिंह को वरिष्ठ उप प्रधान की जिम्मेदारी मिली। होशियार सिंह वरिष्ठ उप प्रधान व सुरेश कुमार उप प्रधान महेंद्रगढ़ ने सभी का धन्यवाद किया।

# लोगों ने सुनीं प्रधानमंत्री के मन की बात

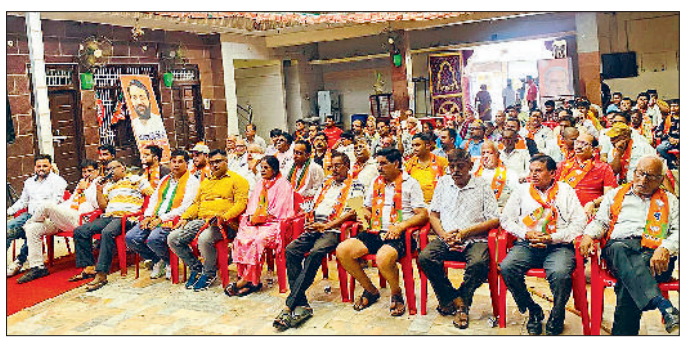

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

माता मंदिर पाड़ा मोहल्ला में भाजपा के जिला संयोजक एवं वरिष्ठ उप महापौर राजू सहगल की मौजूदगी में रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात सुनी गई। पीएम की बात सुनने के लिए माता मंदिर में व्यवस्था की गई थी। सहगल को ये नई जिम्मेदारी दी गई है।

कार्यक्रम में मोदी ने देश वासियों को वोकल फॉर लोकल का प्रचार करने की अपील की। पीएम ने कहा कि लोग स्थानीय उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करें। और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दे। उन्होंने पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआज कर ज्यादा से ज्यादा संख्या में पेड़ लगाने की अपील की ।

इस कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका, जिलामंत्री आशा शर्मा,प्रदेश सचिव बहन रेनू डाबला, पार्षद सुरेश किराड़,ज्योत्सना रोहिल्ला, संजीव भारद्वाज, डॉ. धर्मवीर सोहेल,चाचा नाथी,धर्मेंद्र गुगलानी,एडवोकेट महाराज सिंह,पिंकी दुआ,प्रिय कपूर,कमल ढींगरा,रिंकू कपूर,दीवान ,मदन सहगल समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# दीपेंद्र हुड्डा ने पुरिधाम पहुंचकर लिया आशीर्वाद

**रोहतक।** रोहतक लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद दीपेंदर सिंह हुड्डा रविवार को पुरिधाम पहुंचे और सिद्ध गुरुदेव भगवान स्वामी बालकपुरी महाराज समाधि पर माथा टेका। उन्होंने पुरिधाम के पीठाधीश्वर स्वामी कर्णपुरी महाराज के साथ गुरुदेव स्वामी बालकपुरी की समाधि पर माथा टेका व आश्रम परिसर में स्थित सिद्ध सन्तों की समाधि व स्वरूपों के आगे शीश नवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महामंडलेश्वर स्वामी कर्णपुरी महाराज ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2500/-<br>रु. 3000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

## रोहतक में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे सांसद

# विस चुनाव भाजपा और जनता के बीच होगा : दीपेंद्र हुड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने गढ़ी सांपला किलोई, कलानौर और महम विधानसभा क्षेत्र के धन्यवाद कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की। दीपेंद्र ने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव सरकार और देश के संविधान के बीच था और इसमें संविधान जीत गया।

अब हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव भाजपा सरकार और हरियाणा की जनता के बीच होगा, जिसमें जनता जीतेगी। दीपेंद्र हुड्डा ने लोकसभा चुनाव में जीत का श्रेय इलाके की 36 बिरादरी के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को दिया। रोहतक की नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ी भीड़ से गदगद सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि प्रदेश की जनता ने बदलाव की तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने अभी भी जनादेश से सबक नहीं लिया और अहंकार व तानाशाही पर उतारू हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने भाजपा को चेतावनी देकर कहा कि जनता ने लोकसभा में किया हाफ, विधानसभा में करेगी साफ। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि इंडिया गठबंधन को देश के सभी 28 प्रदेशों की तुलना में सबसे ज्यादा मत प्रतिशत 47.6 प्रतिशत हरियाणा में मिला। इस अवसर पर विधायक भारत भूषण बतरा, विधायक शकुंतला खटक, पूर्व मंत्री आनंद सिंह दाँगी, प्रो. वीरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक संत कुमार, चक्रवर्ती शर्मा, आईएमए रोहतक के अध्यक्ष डॉ. रविन्दर हुड्डा, डॉ. अनिल बिरला, डॉ. अर्जुन नरूला, डॉ. रवींद्र चौधरी, डॉ. एस.एल. वर्मा, डॉ देवेन्द्र सांगवान आदि मौजूद रहे।

**रोहतक।** गढ़ी सांपला किलोई, कलानौर और महम विधानसभा क्षेत्र के धन्यवाद कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हरियाणा की जनता ने बीजेपी के एजेंडे को नकारने का काम किया है। आज बीजेपी के शासनकाल में हरियाणा बेरोजगारी, महंगाई, अपराध, भ्रष्टाचार, नशे और हर वर्ग के अपमान और जनता की अनसुनी करने में सबसे आगे है। इससे पहले सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने डॉक्टर्स डे पर मदनलाल धींगरा कम्यूनिटी सेंटर में आईएमए रोहतक द्वारा आयोजित कार्यक्रम समेत रोहतक के करीब आधा दर्जन कार्यक्रमों में शिरकत की। हरियाणा को स्वास्थ्य सेवा का हब बनाने के लिए उन्होंने यूपीए सरकार के समय काफी प्रयास करके बाढ़सा एम्स-2, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के अलावा राष्ट्रीय स्तर के 10 और संस्थान मंजूर कराए। कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने 6 नए मेडिकल कॉलेज बनवाए और भिवानी, महेन्द्रगढ़ में 2 मेडिकल कॉलेजों को मंजूर किया। लेकिन पिछले 10 वर्षों में बाढ़सा एम्स परिसर के मंजूरशुदा 10 संस्थानों का काम एक इंच आगे नहीं बढ़ा।